Study Material For B.A Part I Paper 1st (Theory).

Dr Tapali Mukerjee
Date-
Associate Prof.
Rohtas Mahila College
Sasaram.

Topic Short Note.

① पूर्वांग — उत्तरांग

(a) पूर्वांग — पूर्वांग या पूर्वांगवादी या पूर्वराग (राग) का एक ही अर्थ है, अतः पूर्वांग का या पूर्वांगवादी राग का अर्थ यह है — जिस राग का वादी स्वर (Important Swara) सप्तक के पूर्वांग में हो, तो उसे पूर्वराग या पूर्वांगवादी राग कहा जाता है, जैसे सा-रे-ग-म-प इन स्वरों में से जब कोई स्वर किसी राग का वादी स्वर होते हैं तो उसे पूर्वराग या पूर्वांगवादी राग कहा जाता है, जैसे — राग यमन, बिहाग आदि पूर्वांग वादी राग है, क्योंकि इन रागों का वादी स्वर गान्धार (ग) है, जो सप्तक के पूर्वांग का स्वर है। ऐसे रागों को गाने का समय दोपहर 12 बजे से रात्रि 12 बजे तक है।

(b) उत्तरांग —
उत्तरांग या उत्तरांग वादी एक राग है, पूर्वांग राग के विपरीत यह वह राग होते हैं जिसका वादी स्वर सप्तक के उत्तरांग में होता है। सप्तक के उत्तरांग के स्वर क्रमशः म-प-ध-नि-सां, है। अतः जिन रागों का वादी स्वर इन स्वरों में से कोई भी स्वर हो, तो उन्हें उत्तरांग वादी राग कहा जाता है। भैरव, केदार, मारवा आदि उत्तरांग वादी राग है। क्योंकि इन रागों का वादी स्वर धैवत है तथा सप्तक के उत्तरांग के स्वरों में से है, यह राग मध्य तथा तार सप्तक में गाने से अधिक आकर्षक होते हैं। इन रागों का गायन समय 12 बजे दिन से 12 बजे रात्रि तक है।

Scanned with CamScanner

आविर्भाव — तिरोभाव

आविर्भाव तथा तिरोभाव की क्रिया रागो मे वैचित्र या सुन्दरता लाने के लिए किया जाता है।
आविर्भाव का शाब्दीक अर्थ आ जाना तथा
तिरोभाव का शाब्दीक अर्थ छिप जाना। जैसे किसी राग को गाते बजाते समय गायक या वादक उस राग से मिलते-जुलते हुए राग के स्वर-समूह का प्रयोग करके कुछ समय के लिए राग के मूल रूप को कुछ समय के लिए छोड़ दे तो इस क्रिया को तिरोभाव कहा जाता है।

यदि राग मिया मल्हार गाते गाते उसके उत्तरांग के स्वरो मे उसके सम प्रकृति राग बहार के स्वर-समूह का प्रयोग किया जाता है तो इसे राग का तिरोभाव कहा जाएगा। जैसे राग "बहार" के स्वर समूह के माध्यम से "मियामल्हार" मे तिरोभाव—

राग मिया मल्हार — सा म रे प, मप नि॒ध नि॒ध नि॒सां।

राग बहार — सां नि॒ प, म प ग॒ म रे सा।

आविर्भाव सम प्रकृति रागों को स्वरो के माध्यम से गायक जब तिरोभाव करने के पश्चात पुनः मूल राग का आविर्भाव करता है तो इस क्रिया को आविर्भाव कहा जाता है। जैसे बहार के तिरोभाव तिरोभाव करने के पश्चात पुनः मियाँमल्हार का आविर्भाव करना जैसे सांनि॒ध, नि॒ध मिमा - रे रे प s म प इस प्रकार गायक श्रोताओं को मिया मल्हार का संदेश देते है।

Scanned with CamScanner